उभरा है, जहां दूसरे देशों से आने वाले मरीजों को सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं मिलती हैं।

महोदय, आज भारत में आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी में इलाज के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं। यह क्षेत्र न केवल यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को बढ़ावा देता है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करता है और बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। भारत में चिकित्सा पर्यटन का बाजार विशाल है। आज भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और उन्नत उपचार पश्चिमी देशों की तुलना में किफायती दरों पर उपलब्ध है, जिसकी वजह से भारत दूसरे देशों से आने वाले मरीजों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करना चाहती हूं कि मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी करके दूसरे देशों से आने वाले मरीजों के लिए बीमा कवरेज और कैशलेस चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किया जाए। इसके साथ ही, दूसरे देशों से आने वाले मरीजों की भाषा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए विभिन्न भाषाओं में सेवाएं देने वाले कस्टमर केयर को सुदृढ़ करने वाले सिस्टम को विकसित किया जाए, ताकि दूसरे देशों से आने वाले मरीजों को अधिकतम सुविधाएं मिल सकें और भारत एक बड़े चिकित्सा पर्यटन के रूप में स्थापित हो सके।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Darshana Singh: Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Dr. Parmar Jashvantsinh Salamsinh (Gujarat), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shri Dorjee Tshering Lepcha (Sikkim), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Haris Beeran (Kerala) and Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade (Maharashtra).

श्री उपसभापतिः धन्यवाद, माननीया श्रीमती दर्शना सिंह जी। माननीय श्री निरंजन बिशी जी।

Demand for comprehensive development of Harishankar Temple in the Gandhamardan Hills of Odisha

श्री निरंजन बिशी (ओडिशा): जय हरिशंकर, जय जगन्नाथ! माननीय उपसभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। महोदय, हमारे भारत देश में 43 यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स हैं। उसके

अलावा भी हमारे देश में ओडिशा प्रदेश की बलांगीर जिले और बरगढ़ जिले के बीच में एक गंधमर्दन पर्वत है। उस पर्वत के ऊपर दक्षिण साइड में भगवान नृसिंहनाथ का मंदिर है और उत्तर साइड में हमारे भगवान हरिशंकर का मंदिर है। गंधमर्दन के ऊपर त्रेता युग की कलाकृति है। वहां देवी सीता का कुंड है, हनुमान जी का कुंड है और गंगा कुंड भी है। इसके अलावा द्वापर युग का भीम मंडप है, भीम मरुआ है, भीम बाटी है, भीम गुफा है और पंच पांडव का कुंड है। वहाँ एक बड़ा झरना है, जिसमें एक पापनाशिनी झरना है। उस पापनाशिनी झरना को लोग गुप्त गंगा भी मानते हैं। इस गंधमर्दन पर्वत के ऊपर प्राकृतिक सौंदर्य हरा-भरा है, जो 19 हजार हेक्टेयर में फैला है। हमारे पूर्व मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक महोदय ने उसको biodiversity heritage site घोषित किया था। यह जो प्राकृतिक heritage site है, उसमें एक हजार से ज्यादा plant species हैं, 500 से ज्यादा animal species और bird species हैं तथा reptile species भी हैं। उसके पास एक deer park है। वहाँ बरगढ़ जिले की साइट में गंधमर्दन पर्वत से एक नदी बहती है, जिसको ओंग नदी कहते हैं, वह अवस्थित है। इधर हमारे बलांगीर जिले में सुकटेल नदी प्रवाहित है। वहाँ 22 झरने हैं। वहाँ इतना प्राकृतिक सौंदर्य है। ऐतिहासिक चीनी परिव्राजक, ह्वेन त्सांग ने हमारे गंधमर्दन पर्वत को परिमलगिरि नाम से वर्णित किया है। हमारा गंधमर्दन पर्वत एक ऐसी धरोहर है। उसके पास हरिशंकर मंदिर, नृसिंहनाथ मंदिर है। देश के साधु-संत, पर्यटक और तीर्थयात्री वहाँ आते हैं। वे नृसिंहनाथ से हरिशंकर और हरिशंकर से नृसिंहनाथ 20 किलोमीटर पैदल चल कर जाते हैं। इतनी सुंदर हमारी world heritage site है, जो national heritage site है। ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The hon. Member, Shri Niranjan Bishi (Odisha), associated himself with the matter raised by the hon. Member, Dr. John Brittas.

श्री उपसभापतिः धन्यवाद, माननीय निरंजन बिशी जी। माननीय डा. सिकंदर कुमार जी।

Need to curb the use of pesticides in Agriculture

डा. सिकंदर कुमार (हिमाचल प्रदेश)**:** माननीय उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान कृषि कीटनाशकों के उपयोग से होने वाले अतिरिक्त कैंसर के जोखिम की ओर दिलाना चाहता हूँ। कीटनाशकों ने उत्पादन की पैदावार को बढ़ा कर और तेजी से वैश्विक जनसंख्या वृद्धि के बीच खाद्य असुरक्षा को कम करने में मदद करके प्राथमिक कृषि को बदल दिया है, हालांकि सार्वजनिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से कीटनाशकों के संपर्क में आने से कई हानिकारक प्रभाव जुड़े हैं, जिनमें पार्किंसंस रोग, तंत्रिका संबंधी विकार, कमजोर प्रतिरक्षा कार्य, कैंसर, कोलोरेक्टल कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, ल्यूकेमिया, बच्चों और वयस्कों में लिम्फोमा और अग्नाशय का कैंसर होने की संभावना बढ़ गई है। सबसे ज्यादा जोखिम में वे लोग हैं, जो सीधे